

वशिव युवा कौशल दविस: नमदा कला, भारत 2.0 के लयि AI

प्रलिमिस के लयि:

[वशिव युवा कौशल दविस](#), नमदा कला, भारत 2.0 के लयि AI, [प्रधानमंत्री कौशल वकिस योजना](#)

मेन्स के लयि:

भारत में कौशल वकिस के प्रभाव

चर्चा में क्यो?

[सकलि इंडिया परयोजना](#) ने वशिव युवा कौशल दविस (15 जुलाई) के अवसर पर ब्रिटेन में नरियात के लयि नमदा कला उत्पादो की पहली खेप जारी कर जम्मू-कश्मीर की लुप्त होती नमदा कला को सफलतापूर्वक पुनर्जीवति करने की दशिा में एक बड़ी उपलब्धि हासलि की है।

- इस अवसर पर केंद्रीय शकिषा और कौशल वकिस और उद्यमति मंत्रालय द्वारा भारत 2.0 के लयि AI भी लॉन्च कयिा गया।

वशिव युवा कौशल दविस:

- परचिय:
 - प्रत्येक वर्ष 15 जुलाई को वशिव युवा कौशल दविस के रूप में मनाया जाता है।
 - यह दनि युवाओं को शर्म बाज़ार के लयि तैयार करने और समाज में उनकी सक्रयि भागीदारी को बढ़ावा देने में कौशल वकिस की महत्त्वपूर्ण भूमकिा पर प्रकाश डालता है।
 - यह युवाओं को रोजगार, उचति कार्य और उद्यमति के लयि कौशलपूर्ण बनाने के रणनीतिक महत्त्व को दर्शाता है।
- पृष्ठभूमि:
 - वर्ष 2014 में [संयुक्त राष्ट्र महासभा](#) द्वारा नामति।
- वशिव युवा कौशल दविस की थीम:
 - परिवर्तनकारी भवषिय के लयि शकिषकों, प्रशकिषकों और युवाओं को कुशल बनाना (Skilling Teachers, Trainers, and Youth for a Transformative Future)।

नमदा कला:

- उत्पत्ति परचिय:
 - मुगल सम्राट अकबर द्वारा अपने घोड़ों को ढकने के लयि वकिल्पो की तलाश के साथ हीनमदा कला की शुरुआत 16वीं शताब्दी में की गई।
 - इसकी शुरुआत कश्मीर के सूफी संत शाह-ए-हमदान द्वारा की गई थी।
- निर्माण और सामग्री:
 - नमदा भेड़ के ऊन का उपयोग करके बनाई गई एक प्रकार की पारंपरिक कश्मीरी फेल्टेड कालीन है।
 - इसमें ऊन की, एक प्रक्रयिा जिसे फेल्टिंग के नाम से जाना जाता है, वशिषिट बनावट की जाती है।
- वनिर्माण प्रक्रयिा:
 - नमदा कालीन आमतौर पर ऊन की एक परत के उपर ऊन की दूसरी परत और इसी प्रकार कई परतें बछिाकर बनाई जाती है।
 - एक उपकरण जिसे "पजिरा" (वोवेन वलिो वकिर) के नाम से जाना जाता है, का उपयोग प्रत्येक परत पर जल छड़िकने के बाद उसे दबाने के लयि कयिा जाता है।
 - एक ठोस और टकिारु कालीन बनाने के लयि परतों को संपीडति कयिा जाता है।
- पतन और पुनरुद्धार:
 - कच्चे माल की कम उपलब्धता, कुशल जनशक्ति और वपिणन तकनीकों की कमी के कारण वर्ष 1998 से वर्ष 2008 के

बीच इस शिल्प के नरियात में लगभग 100% की गरिावट आई है ।

- इसलररररर [प्रधानमंत्री कौशल वकलस योजना \(PMKVY\)](#) के अरूतगत कौशल भारत परररररररर ने इस लुपूतपूराय शल्लरर को संरकषररर करने के लररर एक अलूतकालकल परशकषण पाटूयकरूत तैररर कतरर है ।
- इस पहल के अरूतगत प्रदान कतरर गए परशकषण ने स्थानीय कररीगररं को सशकूत बनाया है और साथ ही यह भवषरर की पीढररररं के लररर इस पारंपररकल शल्लरर को संरकषररर करने में सहायता प्रदान करेगी ।
- कश्मीर भी वभरनरन उतूपाढरं के लररर [GI पंजीकरण](#) की मांग कर रहा है, जरररमें कश्मीर नडदा और गबूबा (ढो प्रकरर के घाटी-वशरषररररर ऊनी गलीचे),वागगुव (ईख एवं धान के भूसे से बनी चटाई), शकलररर तथा कश्मीर वलररर बैट शामिल हैं ।

शल्लरर	राजूय
अरनडुला कनूनादी	केरल
बंगाल पटूटचररर	पश्चडड बंगाल
बसूतर ढोकूरा	छूतूतीसगढू
पीतल की कढूई वाले नारयल के खोल शल्लरर	केरल
चंबा रुडाल	हडडलचल प्ररररर
चंढेरी फेबूरकल	डधूय प्ररररर
छाऊ डुखूढूटा नूतूय	पश्चडड बंगाल
डोकूरा	पश्चडड बंगाल
कांचीपूरड सललक	तडडलनलडू
कश्मीर पश्डीनी	जडडू और कश्मीर
कूलू शूँल	हडडलचल प्ररररर
लखनऊ चकलन शल्लरर	उतूतर प्ररररर
डधुवनी चरररकला	बहलर
डदुर काठी	पश्चडड बंगाल
डैसूर रेशड	करूनाटक
पूचडडपलूनी इकूत	तैलंगाना
राजस्थानी कठपुतली	राजस्थान
सलेड वसूतर	तडडलनलडू
सूलापूर चादर	डहाराषूटर
पंचडुुरा का टैराकूटा	पश्चडड बंगाल
तंजावूर चरररकला	तडडलनलडू
कूशडंडी का लकडी का डुखूढूटा	पश्चडड बंगाल

प्रधानमंत्री कौशल वकलस योजना:

▪ परचररर:

- यह वरूष 2015 डें प्रारंभ कतरर गए कौशल भारत डशरन के अरूतगत एक प्रडुखू योजना है ।
- इसका लकषूय वरूष 2022 तक भारत डें 40 करूड से अधकल लूगूँ को बेहतर आजीवकल और सामाजकल सडडडान के लररर वूयावसायकल परशकषण और प्रडडणन प्रदान करना है ।

▪ PMKVY 1.0:

- प्रारंभ: 15 जुलाई, 2015 को वशरर युवा कौशल दवलस पर प्रसूतूत कतरर गया ।
- उदररररर: कौशल प्रडडणन के लररर नःशुलूक अलूतकालकल परशकषण और डूडररकल प्रसूकरर प्रदान करके कौशल वकलस को प्रूतूसाहतरर करना ।

▪ PMKVY 2.0 (वरूष 2016-20):

- कवररर: डेक इन इंडररर, डडररररर इंडररर, सवूचछू डररर आदर डशररररं के साथ अधकल तालडेल के लररर कडड डढूया गया ।
- वतूततपूषण और लकषूय: NSDC:राजूय सरकररं = 75:25 ।
- परररगलडड: PMKVY 1.0 एवं 2.0 के अरूतगत 1.2 करूड से अधकल युवाओं को परशकषरर कतरर गया ।

▪ PMKVY 3.0 (वरूष 2020-22):

- कररूयकषूतरर: यह योजना 28 राजूयूँ और 8 केंदरशासतरर प्रररररूँ के 717 जूलरररं डें लूँनूच की गई ।
- कररूयानूवयन: राजूयूँ/केंदरशासतरर प्रररररूँ एवं जूलरररं की डडगीदारी और सडरूथन डें वूदूध के साथ वकलेंदरूीकूत संरररररर की स्थापना ।
- वशरषताएूँ:
 - नूयू ऐज एंड इंडसूटररी 4.0 आधारतरर रूजगार डूडकलररं पर धूयान केंदरतरर कररर ।
 - वूयावसायकल शकषल और प्रारंभकल कौशल वकलस पर डल देना ।
 - स्थानीय रूजगार के अवसरूँ की पहचान करने के लररर डूँटड-अप दूषूटकलूण को अपनाना ।

▪ PMKVY 4.0 (वरूष 2023-26):

- कररूयकषूतरर:
 - इस योजना के नवीनतड चरण की घूषणा केंदरूीय डजट 2023-24 डें की गई ।
 - यह ऑन-जूऑड परशकषण, उदूयूग साङूेदारी और उदूयूग की जूरूतरूँ के साथ पाटूयकरूडूँ के संररखण पर डल देगा ।
- कररूयानूवयन:

- NSDC द्वारा कार्यान्वयन किये जाने पर राज्य सरकारें, उद्योग संघ तथा अन्य हतिधारक इसमें शामिल होंगे।
- कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री के अधीन एक अधिकार प्राप्त समिति द्वारा इसकी नगिरानी की जाएगी।
- **वशिषताएँ:**
 - AI, **ब्लॉकचेन**, मोबाइल रपियरगि, वाहन रखरखाव और प्रबंधन आदि से लेकर वभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण तथा प्रमाणन प्रदान करता है।
 - **राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (NSQF)** के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को संरेखित करना।
 - यह उम्मीदवारों को सॉफ्ट स्किल, उद्यमिता, वित्तीय और डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण प्रदान करता है।
- **कौशल विकास के लिये अन्य पहल:**
 - **संकल्प**
 - **STRIVE परियोजना**
 - **कौशल विकास हेतु तेजस पहल**
 - कौशल विकास में अनवार्य CSR व्यय: **कंपनी अधिनियम के तहत अनवार्य CSR खर्च, 2013** के कार्यान्वयन के बाद से भारत में नगिर्मों ने वविधि सामाजिक परियोजनाओं में 100,000 करोड़ रुपए से अधिक का नविश कयिा है।

AI फॉर इंडिया 2.0:

- **परचिय:**
 - AI फॉर इंडिया 2.0 **कृत्रमि बुद्धमिता (आर्टफिशियल इंटेलिजेंस)** पर केंद्रति एक मुफ्त ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम AI फॉर इंडिया 1.0 की नरितरता है जिसे 24 फरवरी, 2021 को लॉन्च कयिा गया था। AI फॉर इंडिया 1.0 एक दवितीय ऑनलाइन कार्यक्रम था जिसे AI के विकास में व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली पायथन प्रोग्रामिंग भाषा पर एक पूरक पाठ्यक्रम प्रदान कयिा गया था।
 - यह **स्कलि इंडिया और IIT मद्रास इनक्यूबेटेड स्टार्टअप GUVI** के बीच एक संयुक्त सहयोग है।
 - प्रशिक्षण कार्यक्रम के पूरा होने पर अर्जति AI कौशल की पहचान और प्रमाणीकरण सुनश्चिति होता है।
- **उद्देश्य:**
 - इसका उद्देश्य **AI कौशल प्रशिक्षण प्रदान करके भारत के युवाओं का भवषिय-सुरक्षति बनाना है।**
 - भारतीय युवाओं को अग्रणी AI कौशल से समृद्ध करना।
 - रोजगार क्षमता और कौशल विकास को बढ़ावा देना।
- **प्रत्यायन:**
 - **राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (National Council for Vocational Education and Training-NCVET)** और IIT मद्रास द्वारा मान्यता प्राप्त।
- **मुख्य वशिषताएँ:**
 - **अभगिम्यता:**
 - यह पूरे देश में AI शक्षिण की अभगिम्यता की कल्पना करता है।
 - अत्याधुनिक तकनीकों से युवाओं को सशक्त बनाना।
 - **भाषायी समावेशति:**
 - भारतीय भाषाओं में AI कौशल प्रशक्षिण प्रदान करने पर ध्यान केंद्रति कयिा गया है।
 - प्रौद्योगिकी शक्षिण में भाषा संबंधी बाधा को संबोधति करती है।
 - **प्रौद्योगिकी प्रगत:**
 - प्रौद्योगिकी-अनुकूल देश के रूप में यह भारत की स्थति में योगदान देता है।
 - अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में प्रशक्षिण का वसितार।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि:(2018)

1. यह शर्म एवं रोजगार मंत्रालय की फ्लैगशिप स्कीम है।
2. यह अन्य चीजों के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल, उद्यमवृत्त, वित्तीय और डिजिटल साक्षरता में भी प्रशक्षिण उपलब्ध कराएगी।
3. यह देश के अवनिमित्त कार्याबल की कार्यकुशलताओं को राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढाँचा (नेशनल स्कलि क्वालफिकेशन फ्रेमवर्क) के साथ जोड़ेगी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 3

- (b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) राष्ट्रीय कौशल विकास नगिम (NSDC) के माध्यम से कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा कार्यान्वयित युवाओं के कौशल प्रशिक्षण के लिये एक प्रमुख योजना है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- पूर्व शक्ति अनुभव या कौशल वाले व्यक्तियों को योजना के पूर्व शक्ति की मान्यता (RPL) घटक के अंतर्गत मूल्यांकित और प्रमाणित किया जाएगा। RPL का लक्ष्य देश के अनियमित कार्यबल की दक्षताओं को NSQF के साथ जोड़ना है।
- कौशल प्रशिक्षण, राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढाँचा (नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क) और उद्योग-आधारित मानकों पर आधारित होगा। अतः कथन 3 सही है।
- NSQF के अनुसार, प्रशिक्षण प्रदान करने के अलावा प्रशिक्षण केंद्र सॉफ्ट स्किल, उद्यमिता और वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता में भी प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। अतः कथन 2 सही है। अतः विकल्प (C) सही उत्तर है।

??????:

प्रश्न. भारत में जनांकिकीय लाभांश तब तक सैद्धांतिक ही बना रहेगा जब तक कि हमारी जनशक्ति अधिक शिक्षित, जागरूक, कुशल और सृजनशील नहीं हो जाती। सरकार ने हमारी जनसंख्या को अधिक उत्पादनशील और रोजगार-योग्य बनाने की क्षमता में वृद्धि के लिये कौन-से उपाय किये हैं? (2016)

स्रोत : पी.आई.बी.

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/world-youth-skills-day-namda-art,-ai-for-india-2-0>

